स्पॉट बेलीड ईगल आउल

हाल ही में **स्पॉट बेलीड ईगल आउल (बुबो नपिलेंससि)** को **शेषाचलम वन** में पहली बार तथा **आंध्र प्रदेश** में तीसरी बार देखा गया।

- इसे पहले दो बार **नागारजुनसागर श्रीशैलम टाइगर रज़िरव (NSTR)** में देखा गया था।

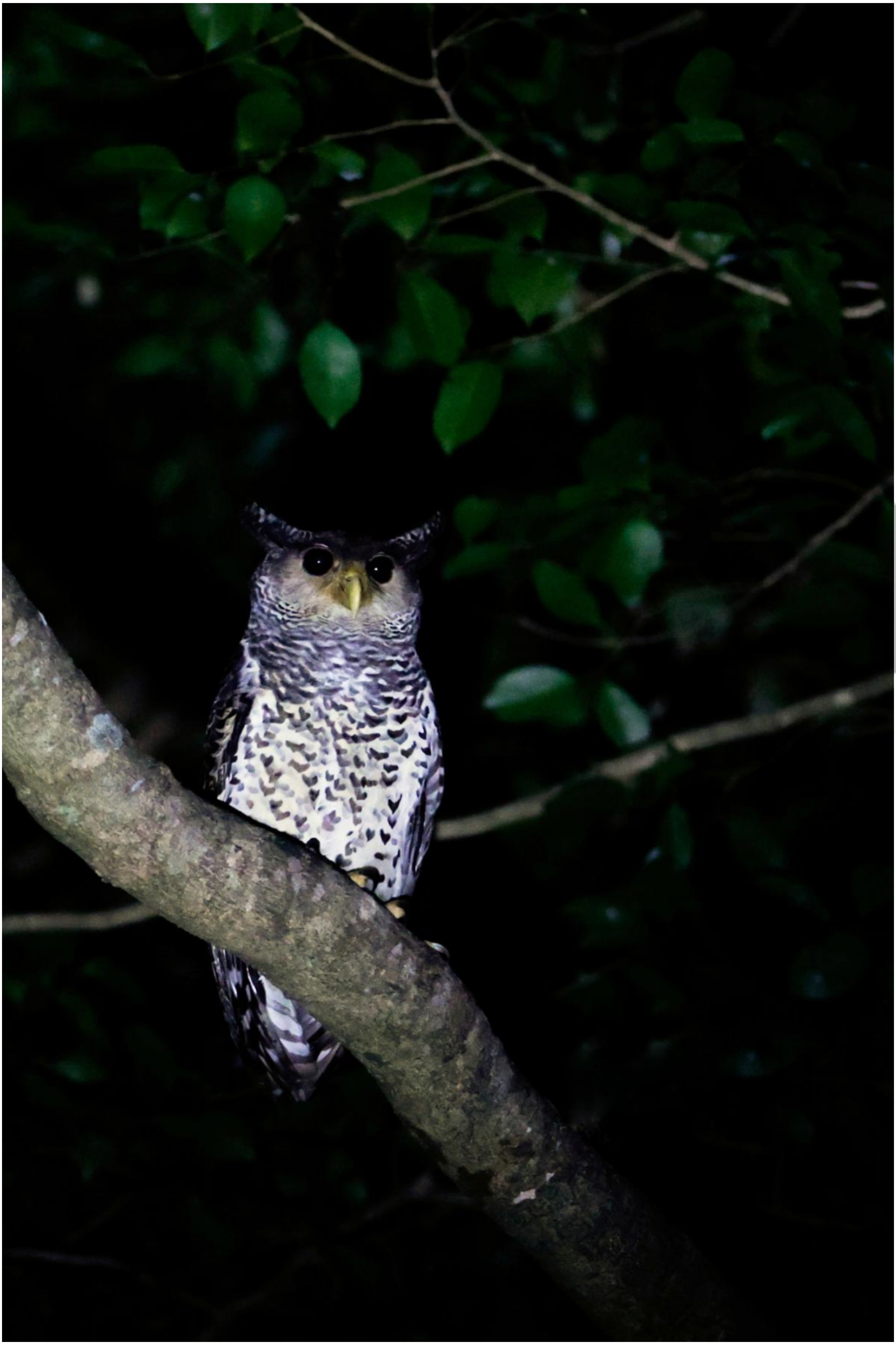

//

स्पॉट बेलीड ईगल आउल:

- **परिचय:**
  - स्पॉट बेलीड ईगल आउल जिसे **फॉरेस्ट ईगल-आउल** के रूप में भी जाना जाता है, **एक बड़ी आउल (उल्लू) प्रजाति** है जो आमतौर पर जंगलों और चट्टानी पहाड़ियों जैसे क्षेत्रों में पाई जाती है तथा अपने **पेट पर विशिष्ट धब्बों (Spots)** के लिये जानी जाती है।
    - स्पॉट-बेलीड ईगल-आउल **बड़े**, **शक्तिशाली** और **निर्भीक शिकारी पक्षी** हैं।
  - यह चिड़िया **इंसानों जैसी अजीब-सी आवाज़** निकालती है, इसलिये इसे भारत में **'जंगल का भूत'** कहा जाता है

- **वितरण:**
  - स्पॉट-बेलीड ईगल-आउल प्रजातियाँ **भारत, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, चीन, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और वियतनाम** में पाई जाती हैं

- **शिकार:**
  - ये बड़े पक्षियों एवं सुनहरे सियार, **खरगोश, सिवेट और शेवरोटाइन** जैसे स्तनधारियों का शिकार करने के लिये जानी जाती हैं।
- **IUCN और CITES स्थिति:**
  - इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) **की रेड लिस्ट: 'कम चिंतनीय'।**
  - **CITES (**वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन**): परिशिष्ट II**

नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व:

- नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व को आधिकारिक तौर पर 1978 में घोषित किया गया था और 1983 में प्रोजेक्ट टाइगर द्वारा मान्यता दी गई है।
- **नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व** भारत का सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है।
- वर्ष 1992 में इसका नाम बदलकर **राजीव गांधी वन्यजीव अभयारण्य** कर दिया गया था।
- यह टाइगर रिज़र्व आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 5 ज़िलों में विस्तृत है। इस क्षेत्र में ज़्यादातर **नल्लामाला पहाड़ियाँ** हैं।
- बहुउद्देशीय जलाशय- **श्रीशैलम और नागार्जुनसागर** इसी रिज़र्व में अवस्थित हैं।
- **कृष्णा नदी** इस रिज़र्व के बेसिन को विभाजित करती है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spot-bellied-eagle-owl